www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

विषय–बहीखाता एवं लेखाकर्म **Set-C**

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में दो खण्ड हैं। खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड (ब) में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। (उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 30 शब्द)

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 50 शब्द)

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 75 शब्द)

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 से 27 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं।

1. **(खण्ड–अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(i) सम्पत्ति का मूल्य शून्य तक अपलिखित किस पद्धति में हो सकता है ?

(अ) घटती शेष पद्धति

(ब) वार्षिक वृत्ति पद्धति

(स) वार्षिक मूल्यांकन पद्धति

(द) सरल रेखा पद्धति

(ii) क्रमागत ह्रास पद्धति पर ह्रास लगाने का उद्देश्य है–

(अ) व्यवसाय का उचित लाभ ज्ञात करना

(ब) कर बचाना

(स) व्यवसाय के व्ययों में वृद्धि करना

(द) व्यवसाय की आय में वृद्धि करना

(iii) आय-व्यय खाते में निम्न में से किसे दर्शाया जाता है ?

(अ) पूँजीगत भुगतान (ब) पूँजीगत व्यय

(स) आयगत मदें (द) पूँजीगत हानियाँ

(iv) निवृत्तमान साझेदार को देय राशि का भुगतान किया जा सकता है–

(अ) नकद में

(ब) किस्तों में

(स) वार्षिकी

(द) उपर्युक्त तीनों में से किसी भी एक विधि द्वारा

(v) अंशों के बट्टे (अपहार) पर निर्गमन करते समय बट्टे की अधिकतम दर होती है–

(अ) 50% (ब) 10%

(स) 15% (द) 20%

1. **(खण्ड–ब)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) ह्रास की गणना .... सम्पत्तियों पर की जाती है।

(ii) प्राप्ति एवं भुगतान खाते में .... मदों को लिखा जाता है।

(iii) प्राप्ति का अनुपात = नया अनुपात – .... अनुपात।

(iv) ऋणपत्रधारी कम्पनी के .... में हस्तक्षेप नहीं करते हैं।

(v) यदि कोई कम्पनी अपने परिनियम न बनाए, तो उस पर .... के प्रावधान लागू होते हैं।

2. दर्शनार्थ बीजक बनाने के कोई दो उद्देश्य लिखिए।

3. ₹ 1,20,000 बीजक मूल्य पर माल प्रेषण पर भेजा गया, इसमें $\frac{1}{4}$ भाग लाभ शामिल है। माल का लागत मूल्य ज्ञात कीजिए।

4. आसाम टी कम्पनी ने 100 पेटी चाय जिसका लागत मूल्य ₹ 20,000 है, प्रेषण पर अपने एजेंट को भेजी। मार्ग में 4 पेटी आग में जलकर नष्ट हो गई, जिसका दावा बीमा कम्पनी ने स्वीकार कर लिया। परेषक ने हानि के पूर्व ₹ 1,600 तथा परेषिती ने हानि के बाद ₹ 3,800 व्यय किस जो कि विक्रय व्यय नहीं है। असामान्य हानि की राशि ज्ञात कीजिए।

5. गैर-व्यापारिक संस्थाओं की प्रारंभिक पूँजी की गणना किस प्रकार की जाती है ? समझाइए।

6. समर्पित निधि से आप क्या समझते हैं ?

7. लाभ-हानि नियोजन खाता बनाने के कोई दो उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

8. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) और प्रेषण में कोई दो अन्तर लिखिए।

9. अंश पर बकाया का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

10. मूल्य ह्रास की स्थायी किस्त पद्धति और घटती शेष पद्धति में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

11. सुमन समिति, दुर्ग के बही-खाते में निम्न विवरण उपलब्ध है–
1 जनवरी, 2013 को रोकड़ ₹ 30,000, फर्नीचर क्रय ₹ 15,000, मशीन क्रय ₹ 7,500. वर्ष 2013 का ₹ 3,000 वार्षिक सदस्यता शुल्क बकाया था, सदस्यता शुल्क प्राप्त 10,000, किराया दिया ₹ 200, वेतन चुकाए ₹ 500.
वर्ष 2013 के लिए प्राप्ति-भुगतान खाता बनाइए।

12. एक फर्म की विनियोजित पूँजी ₹ 4,00,000 है। व्यवसाय पर 12% साधारण आय अपेक्षित है। फर्म का विगत चार वर्षों का वास्तविक औसत लाभ % 52,000 है। साझेदारी समझौते के अनुसार ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ के 2 वर्ष के क्रय पर किया जाता है। ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

13. समता अंश और पूर्वाधिकार अंश में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।

14. गोल्डन लिमिटेड के प्रति ₹ 100 वाले 4000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए, यदि ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किए गए समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हुई।

15. पुष्कर लिमिटेड ने एक मशीन ₹ 1,10,000 में अमर ट्रेडर्स से क्रय की जिसका भुगतान प्रति ₹ 100 वाले अंशों में 10% प्रीमियम पर किया गया। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

16. फर्म के विघटन की दशा में हिसाब-किताब का निपटारा कैसे किया जाता है?

अथवा

क्या साझेदारी फर्म का पंजीयन कराना अनिवार्य है? पंजीयन नहीं कराने पर क्या प्रभाव पड़ता है?

17. अजय और विजय ने संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) में 3:1 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हुए कार्य करने का निश्चय किया। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित लेन-देन हुए–
(i) माल का क्रय ₹ 30,000
(ii) व्ययों का भुगतान ₹ 1,500
(iii) माल का विक्रय ₹ 36,000
(iv) अजय ने स्वयं रख लिया ₹ 1,000 का माल
संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता बनाइए।

अथवा

A, B और C ने माल खरीदने व बेचने के लिए एक संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) की शुरूआत की। C ने ₹ 60,000 A से तथा ₹ 60,000 B से प्राप्त किए और ₹ 60,000 स्वयं भी लगाए। उनसे ₹ 1,60,000 का नकद माल खरीदा और ₹ 6,400 खर्चे के चुकाए। उसने सारा माल ₹ 2,00,000 में बेच दिया। लाभ-हानि का विभाजन समान अनुपात में किया जाना है। A एवं B का संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

18. संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के कोई चार लक्षण समझाइए।

अथवा

संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के किन्हीं चार लाभों को समझाइए।

19. एक यंत्र 1 जनवरी, 2010 को ₹ 10,000 में क्रय किया गया। प्रतिवर्ष 10% की वार्षिक दर से स्थायी किस्त पद्धति से अवक्षयण लगाया गया। 1 जनवरी, 2012 को यह निश्चित किया गया कि यंत्र पर उसकी क्रय तिथि से ही 15% की वार्षिक दर से स्थायी किस्त पद्धति से ह्रास लगाया जायेगा। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

अथवा

एक यंत्र पर दो वर्ष तक 10% की दर से घटती किस्त पद्धति से मूल्यह्रास लगाया गया, जो 1 जनवरी, 2010 को ₹ 30,000 में खरीदा गया था। 2012 में इसी दर पर मूल लागत पद्धति को यंत्र की क्रय तिथि से ही अपनाने का निश्चय किया गया। 2010 से 2012 तक का यंत्र खाता बनाइए।

20. प्रेषण खाता एवं लाभ-हानि खाता में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रेषण और बिक्री में किन्हीं चार बिन्दुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

21. सचिन एवं धोनी 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2012 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था :

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	90,000	देनदार	40,000
सचिन का ऋण	40,000	विविध सम्पत्तियाँ	1,40,000
पूँजी खाता–			
सचिन ₹ 20,000			
धोनी ₹ 30,000	50,000		
	1,80,000		**1,80,000**

उन्होंने उक्त तिथि को फर्म के विघटन का निर्णय किया। देनदारों से ₹ 30,000 तथा विविध सम्पत्तियों से ₹ 1,20,000 वसूल हुए। वसूली खाता बनाइए।

अथवा

A और *B* ने 13 दिसम्बर, 2010 को अपने व्यवसाय के समापन का निर्णय लिया। उस तिथि को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था–

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	10,000	रोकड़	2,000
A का ऋण	18,000	देनदार	13,000
पूँजी खाता—		विविध सम्पत्तियाँ	68,000
A ₹ 20,000		ख्याति	5,000
B ₹ 40,000	60,000		
	88,000		88,000

साझेदार अपनी पूँजी के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। ख्याति से ₹ 6,000 वसूल हुए, लेनदारों को 5% कटौती पर भुगतान किया गया। विविध सम्पत्तियों से ₹ 63,000 वसूल हुए। देनदारों से ₹ 8,000 वसूल हुए। समापन की लागत ₹ 500 हुई। वसूली खाता बनाइए।

22. राम और श्याम 3 : 1 के अनुपात में साझेदारी है। 31 दिसम्बर, 2012 को उनका चिट्ठा निम्नलिखित है:

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
	₹		₹
लेनदार	10,000	देनदार	16,000
पूँजी खाता:		स्कंध	20,000
राम ₹ 30,000		फर्नीचर	2,000
श्याम ₹ 10,000	40,000	भवन	24,000
देय बिल	12,000		
	62,000		62,000

उन्होंने 1 जनवरी, 2013 को मोहन को निम्न शर्तों पर प्रवेश दिया—

(i) फर्म के भावी लाभों में से $\frac{1}{5}$ भाग प्राप्त करने हेतु मोहन पूँजी के रूप में ₹ 10,000 देगा और ₹ 8,000 ख्याति के रूप में देगा।

(ii) स्कंध व फर्नीचर का मूल्य 10% कम करना है और अप्राप्त ऋण के लिए 5% संचिति का सृजन किया जाएगा।

(iii) भवन का मूल्य 20% बढ़ाया जाएगा।

अथवा

राजेश व अशोक साझेदार हैं, जो क्रमशः $\frac{3}{5}$ व $\frac{2}{5}$ के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उनका स्थिति विवरण निम्न है:

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
	₹		₹
पूँजी:		रोकड़	1,300
राजेश ₹ 4,000		देनदार ₹ 2,000	
अशोक ₹ 2,000	6,000	(−) संचय ₹ 800	1,200
		स्कंध	3,000
लेनदार	800	यंत्र	1,300
	68,000		68,000

उन्होंने उमेश को फर्म में साझेदार के रूप में प्रवेश देने का निश्चय किया इस शर्त पर कि वह व्यापार में ₹ 2,000 ख्याति के तथा नये फर्म का लाभों में से $\frac{1}{3}$ भाग प्राप्त करने ₹ 4,650 पूँजी के लिए देगा। यह भी तय हुआ कि—

(i) डूबते ऋण संचय को ₹ 200 घटा दिया जाए,

(ii) स्टॉक ₹ 4,000 पर पुनः मूल्यांकित किया जाए,

(iii) यंत्र का मूल्य घटाकर ₹ 1,000 कर दिया जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।

23. वासु व शेखर एक संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) में शामिल हुए। उनका लाभ-हानि विभाजन का अनुपात 3 : 2 है। संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) के लिए वे पृथक बही नहीं रखते है। साहस में सहसाहसियों द्वारा लगाई गई राशियाँ व उनके द्वारा प्राप्त की गई राशियाँ निम्नानुसार हैं—

विवरण	वासु (₹)	शेखर (₹)
वस्तु का क्रय	85,000	65,000
क्रय पर व्यय	2,500	1,300
विक्रय से प्राप्त	90,000	75,000
स्टॉक जिसे लिया गया	5,000	4,000

केवल वासु की बही में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

अथवा

उपरोक्त प्रश्न 23 में दी गई जानकारी से वासु की बही में संयुक्त साहस (ज्वायंट वेन्चर) खाता तैयार कीजिए।

24. एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष 1 जनवरी, 2010 को ₹ 80,000 था। 30 जून, 2010 को ₹ 10,000 का एक अतिरिक्त यंत्र क्रय किया। 31 दिसम्बर, 2010 को पुराने यंत्र के एक भाग, जिसका मूल्य 1 जनवरी, 2010 को ₹ 2,000 था, को ₹ 2,300

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

में बेच दिया गया। 10% की वार्षिक दर से ह्रासमान शेष पद्धति से ह्रास लगाते हुए 2010 का मशीन खाता तैयार कीजिए।

अथवा

1 जनवरी, 200 । को एक कम्पनी के बही-खाते में यंत्र खाते का शेष ₹ 38,000 था। उसके अंतिम ते 31 दिसम्बर को बनाए जाते हैं और मूल्यह्रास क्रमागत शेष पद्धति पर 10% प्र र्ष अपलिखित किया जाता है। 1 जुलाई, 2000 को एक नया यंत्र ₹ 6,960 में र गया और उसी दिन एक यंत्र, जो 1 जनवरी, 1997 को ₹ 2,000 मूल्य का था, के 00 में बेच दिया गया। वर्ष 2000 के लिए यंत्र खाता बनाइए।

25. कोरबा को म्पनी ने 1000 टन कोयला भोपाल के भोपाल कोल स्टोर्स को ₹ 12 प्रति टन की द प्रेषण पर भेजा। इस सम्बन्ध में कम्पनी ने ₹ 600 बीमा एवं ₹ 1,300 भाड़ा एवं न व्यय के दिए। भोपाल कोल स्टोर्स ने ₹ 200 गाड़ी भाड़ा और ₹ 300 गोदाम कि के दिए। उन्होंने ₹ 760 टन कोयला ₹ 14,200 मेंबेच दिया और उनके पास 190 कोयला बचा रहा गया। 5% कमीशन चार्ज पर शेष राशि का ड्राफ्ट एजेण्ट द्वारा भेजा गया। प्रेषण की बही में प्रेषण खाता बनाइए।

अथवा

रूचि ट्रेडर्स, इन्दौर ने 50 पंखे पिन्टू ट्रेडर्स, रीवा को ₹ 360 प्रति पंखे की दर से प्रेषण पर भेजे तथा इस सम्बन्ध में ₹ 300 पैकिंग और ₹ 240 रेलभाड़ा के दिए। 5 पंखे रास्ते में खो गए। एजेण्ट ने ₹ 45 गाड़ी भाड़ा, ₹ 135 गोदाम किराया एवं 1% दलाली के दिए। एजेण्ट ने 35 पंखे ₹ 520 प्रति पंखे की दर से बेचे। उसे कुल बिक्री पर 7.7% कमीषन प्राप्त होना है। प्रेषक को माल रास्ते में खोने के ₹ 900 रेलवे द्वारा क्षतिपूर्ति के प्राप्त हुए। प्रेषक के बही-खाते में प्रेषक खाता बनाइए।

26. माया कम्पनी ने प्रति ₹ 20 वाले 10000 अंश निर्गमित किए। राशियाँ इस प्रकार देय थीं— ₹ 10 आवेदन पर, ₹ 5 आबंटन पर व शेष ₹ 5 प्रति अंश याचना पर। 400 अंशों के एक धारक से याचना राशि प्राप्त नहीं हुई।
कम्पनी के बही-खाते में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

लालाजी के पास सोनी लिमिटेड के प्रति ₹ 20 वाले 100 समता अंश थे, जो 10% बट्टे पर निर्गमित किए गए थे। उसने ₹ 4 आवेदन पर, ₹ 4 आबंटन पर (बट्टा घटाकर) दिया, किन्तु प्रथम याचना पर ₹ 5 तथा द्वितीय एवं अंतिम याचना पर ₹ 5 का भुगतान नहीं कर सका।
कम्पनी की बहियों में उपर्युक्त के लिए पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

27. जैन औषधालय, भोपाल का प्राप्ति तथा शोधन खाता 31 दिसम्बर, 2008 को निम्न प्रकार है :

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि
	₹		₹
शेष ला/ग	2,050	वेतन	800
वार्षिक चन्दे: 2007 ₹ 200		दवाइयाँ	4,200
2008 ₹ 4,100		धोबी का व्यय	300
2009 ₹ 300	4,600	बगीचे पर व्यय	400
दान	1,000	कार व्यय	700
रोगियों के मित्रों से आय	600	लेखन सामग्री	200
वार्ड का किराया	400	उपस्कर	1000
अन्य आय	200	औजार एवं यंत्र	500
		हस्तस्थ रोकड़	750
	8,850		**8,850**

जैन औषधालय के पास वर्ष के प्रारम्भ में भवन ₹ 4,000, उपस्कर ₹ 2,000, दवाइयाँ ₹ 800, कार ₹ 6,000, लेखन सामग्री, ₹ 40, अप्राप्त शुल्क ₹ 200 तथा अग्रिम शुल्क ₹ 300 था। वर्ष के अंत में रोगियों के मित्रा से ₹ 200 प्राप्त होने की आशा है, दवाइयाँ ₹ 1,000 की तथा लेखन् सामग्री ₹ 50 की शेष है। वेतन का ₹ 200 देना बाकी है। औषधालय के पास 450 सदस्य हैं। प्रत्येक से ₹ 10 वार्षिक शुल्क प्राप्त होता है। आय-व्यय खाता बनाइए।

अथवा

संजय क्लब के निम्नलिखित प्राप्ति-भुगतान खाते तथा नीचे दी गई सूचनाओं से 31 दिसम्बर, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय-व्यय खाता बनाइए—

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि
	₹		₹
शेष ला/ग	2,000	वेतन	2,000
प्रवेश शुल्क	200	विद्युत व्यय	150
चन्दे:		किराया	400
2012 ₹ 500		लेखन सामग्री	250
2013 ₹ 4,500		नये फर्नीचर का क्रय	2,000
2014 ₹ 700	5,700	विनियोग (1 अप्रैल, 2013 को 12% वार्षिक की दर से)	3,000
विनियोगों पर ब्याज	200		
मनोरंजन पर लाभ	1,200	अन्य व्यय	500
		31 दिसम्बर, 2013 को शेष	1,000
	9,300		**9,300**

1 जनवरी, 2013 को क्लब के पास ₹ 3,000 मूल्य का फर्नीचर था तथा ₹ 200 वेतन के गत वर्ष के देने थे। फर्नीचर पर ह्रास 10% प्रतिवर्ष है। 31 दिसम्बर, 2013 को अदत्त वेतन के ₹ 400 है। तथा चन्दा का ₹ 300 अप्राप्त है।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com